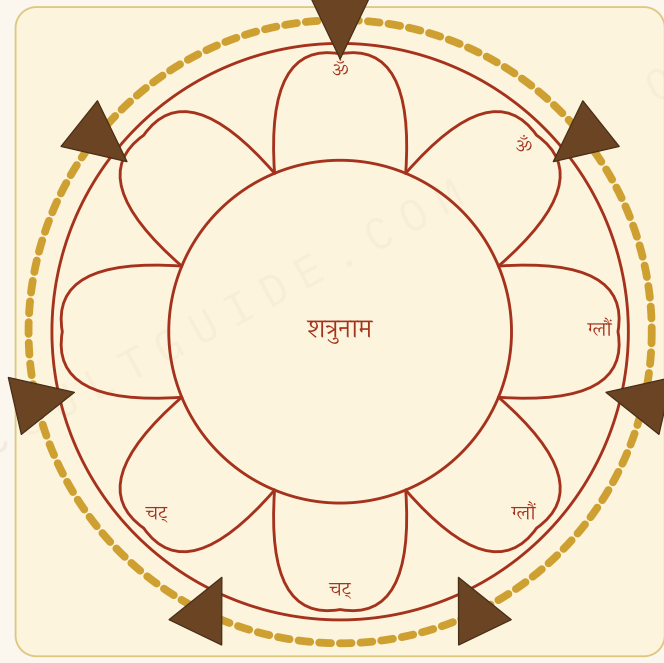


मन्त्रमहोदधिः



वस्त्र — हरिद्रा-रंजित, हल्दी-गोरोचन-कूठ-अञ्जन (गोमूत्र-पिष्ट) से लिखित
 कर्णिका — शत्रु का नाम; दलों पर ॐ, ग्लौं, चट् — प्रत्येक दो-दो बार (दो दल रहते हैं अलिखित)
 वेष्टन — पीत सूत्र; परिकीलन — कोकिल (कुचिला) वृक्ष के सात कण्टक
 वल्मीक-रन्ध्र में स्थापन, मेष-मूत्र से पूरण; नैऋत्याभिमुख बैठकर सहस्र जप

अष्टदलरिपुस्तम्भनयन्त्रम्

© OccultGuide.com · CC BY-SA 4.0

The stambhana yantra: an eight-petalled lotus with the enemy's name in its pericarp and om, the earth-seed glaum, and chaṭ each written twice on its petals, then wrapped in yellow thread, pierced with seven kokila thorns, and buried in an anthill.

स्तम्भनयन्त्रः अष्टदल कमल, जिसकी कर्णिका में शत्रु का नाम तथा दलों पर ॐ, भूबीज ग्लौं और चट् — प्रत्येक दो-दो बार लिखा हो; फिर इसे पीले सूत से लपेटकर कोकिल (कुचिला) वृक्ष के सात कांटों से बाँधकर बाँबी में गाड़ दिया जाता है।

Drawn from the text's own construction rule. The verse, with its Sanskrit, word-by-word gloss and translation, is at

<https://occultguide.com/scripture/mantra-mahodadhi/tarangas-taranga-eighteen-the-exposition-of-the-kalaratri-and-candi-mantras#fig-v52>